अमन के प्रचार में ऑलिया अल्लाह का प्रयास

भाषान्तरः- तथा रहमान के (प्रिय) बन्दे वही हैं जो धरती □र नम्रता□ूर्वक चलते हैं और जब इन से जाहिल लोग वार्ताला□ करते हैं तो वह केवल सलामती कि बात करते हैं।

(सुरह अल फ़ुरक़नः 25:63)

अल्लाह तआ़ला कि इस □ यत में अल्लाह अ□ने विशेष शान वाले बन्दों का वर्णन □ रमा रहा ह□ के वह धरती □र अत्यन्त उच्चता, अधीनता व नम्रता□ूर्वक के साथ चलते हैं तथा जब कभी इन के साथ कोई कठोर वार्ता से □ेश □ ता ह□तो वह सलामती कि बात करते हैं तथा बुराई का उत्तर बुराई से नही□देते। बल्कि अच्छाई के साथ □ेश □ ते हैं।

वह अत्याचार का उत्तर अत्याचार से नही□देते, अत्याचार करने वाले को क्षमा करते हैं। अ□ने किरदार व भूमिका से अमन व सलामती का सन्देश देते हैं। कोई □ तक्र व असभ्यता □ला रहा ह□तो इस के जवाब में इसे □ तक्र में व्यस्त नही□करते, बल्कि इसे राहत व रहमत कि शिक्षा देते हैं।

हज़रत मौलाना खाज़ी सना उल्लाह □ानी□ती नक्षबदी रहमतुल्लाहि अलइ सुरह फ़ुरक़ान कि □ यत नम्बर 63 के अनुवाद में □ रमाते ह□-

भाषाान्तरः- हज़रत मुजाहिदा रज़ियल्लाहु त□ ला अन्हु ने □ रमायाः इस से तात□र्य ऐसी श्रेष्ठ वार्ताला□ जिस में वह तकली□ □हुआने तथा □ा□ में व्यस्त होने से सुरक्षित रहते हैं। हज़रत मुखातिल बिन हिब्बान ने भी इसी प्रकार

□ रमाया ह□ हज़रत इ़माम हसन बसरी रहमतुल्लाहि अलह □ रमाते ह□- यदि कोई मूर्ख इन से अनुचित (अविवेकी) वार्ताला□ करता ह□ तो वह सहन व बर्दाश्त से काम लेते हैं तथा जहालत व अज्ञानता नही□अ□नाते।

(अल त□ सीरुल मज़हरी, सुरह अल फ़ुरक़ान, 63स)

अल्लाह तआ़ला के इस □ देश के प्रति हज़रत अबुल हसनात मुहद्दिस देक्कन रहमतुल्लाहि अलह □ रमाते ह□- जब कोई जाहिल जहालत से □ □ को सताने लगे या तकली□ □हुआने □र □ जाए तो ऐसे जाहिलों के साथ जाहिल बन कर सामना ना करो! बल्कि यह मामला हक़ तआ़ला से रुजू कर दो।

(मवाइ़ज़ हसना, जिल्द 1, □: 206)

यह ईमान वालों के लक्षण बताए गए, विशिष्ट ऑलिया अल्लाह तथा सालेहीन इन □ यत का विशेष ह□ इन्हों ने किस प्रकार सलामती का सन्देश दिया, बुराई का किस प्रकार निराकरण व उन्मूलन (रोकथाम) किया तथा इन □र किए जाने वाले जो निग्रह व प्रबलता (नियन्त्रण) का किस उच्चता से उत्तर दिया।

और अमन व सलामती के प्रचार के लिए कितने विशाल त्याग व बलिदान दिए। इस के चन्द □ दर्श □ □ के सेवा में □श किए जा रहे हैं ताकि इस के बाद हम अ□ने जीवन में इन अभ्यास को जारी करने कि कोशिश करें। खुद भी भलाई प्राप्त करने वाले बनें तथा दुसरों के लिए भी चैन व राहत को बान्टने वाले हो जाए□

अमन व सलामती के इसलामी सिद्धान्त

यह बात भी स□ष्ट हो जाए के हमारे धर्म का नाम इसलाम ह□तथा इस धर्म के मान्ने वालों को मुसलमान कहा जाता ह□तथा यह शब्द सलामती के अर्थ व तात□र्य देते हैं। इसलाम धर्म के नाम तथा इस के मान्ने वालों के नाम से मालूम होता ह□के इस धर्म कि शिक्षा में लोगों के लिए सरासर सुरक्षा व सलामती तथा अमन व अमान ह।

ये धर्म इसी कि शिक्षा देता ह□तथा इस धर्म के मान्ने वाले भी अमन व सलामती के सदेशवाहक होते हैं। इन के वार्तालाप व स्वभाव तथा स्वरू□ व चरित्र में सलामती होती ह। इन कि --- में सलामती होती ह। इन के रहन-सहन में सलामती होती ह।

यह एक सच्चाई है कि इसलामी अनव व सलामती तथा भाइचारे का धर्म है। जो सारे निर्माण के लिए कुशल व भलाई का प्रवचन व व्याख्यान देता है। इसलाम ही ने मानवता व मनुष्य जाती को इस का स्थान व दशा बताया तथा इसे मानव होने कि वास्तविक पहचान करवाई। इसी न्याय व इन्साफ, बराबरी व समानता कि शिक्षा दी तथा प्रेम व मुहब्बत का प्रवचन दिया।

मानव जाति कि सफलता इस में नही कि वह संसार और इसकी दौलत समेट ले, एक मनुष्य कि सफलता इस में नही कि वह ऊँची-ऊँची इमारतें बनाए। दुसरों के अधिकार व्यर्थ कर के सम्पत्ति, धन व दौलत तथा इज्जत लोकप्रियता प्राप्त करे।

बल्कि मनुष्य जाति यदि अमन चाहती ह□तो इसलाम के अनन्त सिद्धान्त व □ दर्श तथा इस के अ□रराष्ट्रीय नियम □र कार्यान्वयन हो कर ही अमन व नजात प्राप्त कर सकती ह□।

विजय व स□ लता □ा सकती ह□तथा स□ लता कि राह □र अवशेष रह सकती ह□।

यह धर्म अमन व अविरोध, च□ व शान्ति का धर्म ह□तथा इस धर्म के □□म्बर सल्लल्लाहु तआ़ला अल□ वसल्लम रसुल करीम हैं, रौ□ व रहीम हैं, श□ीख व महरबान (स्नेहमय व □रो□कारी) हैं। इन कि शिक्षा अमन तथा सुलह कि शिक्षा ह□, अनुरू□ता व समानुभूति कि शिक्षा ह□, मानवता तथा मर्यादा (गौरव व प्रतिष्ठा) कि शिक्षा ह□, जो अल्लाह तआ़ला के निर्माण के लिए सब से श्रेष्ठतर □ दर्श ह□।

ऑलिया किराम क़ुरान करीम तथा हदीस शरी□ कि इन शिक्षा व अध्या□न □र बखूबी अ़मल

करने वाले हैं। तथा लोग इन हज़रात कि उच्च सेवा व मुबारक झलकियों के कारण से इसलाम के अध्या□न □र कार्यान्वयन होते हैं। इन के जनसाधरण प्रयोग कर के वह खुद अ़मल करने वाले हो जाते हैं तथा इन के उ□ाख्यान सुन्ने से बन्दे मोमिन को दृढ़ता व निष्ठा प्राप्त होती ह□।

इ़मानी स्वभाव सर्वोत्तम □ाता ह□ इसलामी शिक्षण □र खदम जम जाते हैं। इसे नेक व भले कर्म का □ा व तरीक़ा प्राप्त हो जाता तथा वह अच्छे स्वरू□ का □ दी हो जाता ह□।

ऑलिया किराम कि दहलीज मुहब्बत व अविरोध के साराश

हज़रात सहाबा किराम व ताबईन इज़ाम रज़ियल्लाहु त□ ला अन्हुम किताब व सुन्नत के सुन्हरे नियम व सिद्धान्त को रुबरु बाअमल लाते रहें। ऑलिया किराम ने इसी लक्ष्य व प्रेरण को जारी रखा, संसार के हर क्षेत्र में इसलाम के अमन व सलामती के सन्देश को लगातार प्रचार दिया तथा इन बुज़ुर्गों ने जनता के साथ हमदर्दी व समानुभूति की, इन के दुख-दर्द में शरीक रहे।

निर्माण कि सेवा के मिसाली □ दर्श □श किए तथा तसव्वु□ (रहस्यवाद व सू□ीमत) को व्यक्तिगत रू□ □र केवल एक □ त्मिक (□ ध्यात्मिक) अनुभव नही□घोषित दिया, बल्कि इन्हों ने इसे मुहब्बत व प्रेम था समानता कि एक अभियान (समरभूमि) बना दी।

यही कारण ह□के □ ज ऑलिया किराम कि बारगाह (□ुण्यस्थान) हैं तथा संसार के हर क्षेत्र

में उ□स्थित हैं। हर जाति व धर्म के सदस्य वहाँ विश्वास के □ल □ेश करते हैं।

भारत के सुल्तान हज़रत ख्वाजा मुईन उद्दीन चिश्ती अजमेरी ग़रीब नवाज़ रहमतुल्लाहि अलइ ने अजमेर में निवास □ रमाया। एक दरवेश बिना किसी सामान के किसी अजनबी नगर में □ कर बस जाना, खुद यह प्रकाट करता ह□के दरवेश बुज़ुर्ग का व्यवसाय अमन व सलामती □ाना तथा प्रेम व भाईचारगी □ म करना था।

यही कारण ह□के किसी भी धर्म का मान्ने वाला □ ज भी हज़रत ख्वाजा ग़रीब नवाज़ रहमतुल्लाहि अलइ से विश्वास रखे हुए हैं। सत्य यह ह□के इन धर्म के बुज़ुर्गों ने अत्याचार के बदले रहम व करम का व्यवहार किया तथा अ□ने विरोधी को भी दु□ ओ□से नवाज़ा। इन हज़रात ने प्रतिशोध के बजाए सम्मान का मामला किया। इन बुज़ुर्गों ने □क्षा□ात प्रयोग

करने के बजाए क़ौम व समुदाय को अविरोध तथा इन कि सहानुभूति □रमाई।

□ त्ताकवाद कि □ ग को शिष्टाचार कि ठण्डक से बुझाया, भेदभाव कि कड़वाहट को न्याय □ दि एकता कि मिठास से समाप्त कर दिया।

ऑलिया किराम ने सन्सार में अमन व सलामती को प्रचार देने के लिए जो प्रयास किया ह□इस कि चन्द मिसालें यहाँ वर्णन ह□

व्यक्ति को धीरज व सब्र का उ□देश

हमें इतिहास में मशाइक़ के सुल्तान हज़रत निज़ाम उद्दीन ऑलिया महबूब इलाही रहमतुल्लाहि अलहि कि ऐसी ही एक घटना मिलती ह□के हज़रत के □ास एक व्यक्ति हथियार ले कर □ या तथा □ □ ने इसे बडी उच्चता से

उ□देश □रमाया तथा इस के हृदय को □र दिया। घटना कुछ ऐसी ह□-

एक □ुरुष को मशाइ़क़ के सुल्तान हज़रत निज़ाम उद्दीन ऑलिया महबूब इ़लाही रहमतुल्लाहि अलइ के भवन से छुरी के साथ □कड लिया गया। नियत अल्लाह बेहतर जानता ह□ इस बात का निज़ाम उद्दीन ऑलिया रहमतुल्लाहि अलइ को □ता चला।

□ □ ने इसे तकली□ □हुआने से मना □रमाया। □र खुद इसे अ□ने □ास इच्छा की तथा □रमायाः तुम वचन लो के भविष्य में किसी को हानि व तकली□ ना □हुचाओगा। इस ने वचन लिया हज़रत ने □ देश दिया के इसे खर्चा दिया जाए।

□र दुश्मनी के बारे में समझायाः दुःख को सहन करें, बदले अल्लाह तआ़ला □र छोड दें।

फ़रमायाः- जिस किसी ने हमें दुख दिया अल्लाह तआ़ला इसे राहत पहुंचाए। जो हमें बेसहारा (निस्सहाय) छोडा अल्लाह इस का यार मददगार हो। खुद दुश्मनी के कारण से मेरी राह में कांटे बिछाय उस के जीवन के बाग़ में जो फूल भी खिले वह बिना कांटे खिलेंगे।

फ़रमायाः कोई किसी कि राह में कांटे बिछाता है, वह भी इस कि राह में कांटे बिछा देता है। यह दोनों एक जैसे कर्म है। इन्ही कथन के दौरान फ़रमायाः जनता का अ़मल ऐसा ही हुआ करता है। किन्तु दरवेशों में ऐसा नही है। दरवेश अच्छों के साथ अच्छे हैं किन्तु बुरों के साथ बुरे नही।

(सियार उल ऑलिया, पृः 578)

हज़रत निज़ाम उद्दीन महबूब इलाही रहमतुल्लाहि अलैह ने अपनी वार्ता से भी अमन का सन्देश

दिया तथा अ□ने प्रयास से भी सलामती कि शिक्षा दी। □ □ ने अ□नी कर्म के हिकमत से अमन को हानि □हुंचाने वालों के सलामती के अगुवा (साराश) बना दिया तथा □ तंक का वातावरण □लाने वालों को राहत रसानी कि ओर □ कर्षित कर दिया।

ि□र ऐसे मुबारक कथन उ□युक्त □रमाए के इस का हर हर शब्द अमन का निमन्त्रण दे रहा है। इस का एक एक कथन सलामती का सन्देश □ेश कर रहा है। कोई व्यक्ति कठोरता करता है□ ते इस के विरुद्ध प्रतिशोध कि □ग भड़क उठती है।

□रन्तु हज़रत निज़ाम उद्दीन ऑलिया रहमतुल्लाहि अलहि ने बदले खुदा □र छोड ने का □देश दे कर कठोर प्रतिशोद को समाप्त कर दिया। कोई व्यक्ति किसी को दुखी व निराशा

करता हो इस के लिए भी राज व दुख का सामान किया जाता ह।

किन्तु ऑलिया किराम ने एसी स्थिति में भी राहत रसानी का सन्देश दिया, कोई व्यक्ति किसी को बेसहारा तथा बेमदद (लाचार) छोड दे तो इसके साथ इसी प्रकार के व्यवहार कि इच्छा व कामना की जाती ह।

□रन्तु ऑलिया किराम ने ऐसे व्यक्ति कि मदद व सहायता के लिए दु□ की ह। सा□ार में कोई किसी को हानि व तकली□ देता ह□तो इसे भी तकली□ □हु□ाने कि चिन्ता की जाती ह। कोई धोका देता ह□तो इसे भी धोका दिया जाता ह। कोई बुरा व्यवहार करता ह□तो इस के साथ वा□ा ही व्यवहार किया जाता ह।

बुराई का उत्तर बुराई से, तकली□ का उत्तर तकली□ से, कथन का जवाब कथन से दिया जाता ह□ बल्कि प्रतिशोध के अवसर □र □ क्र दी जाती ह□के ईंट का जवाब □त्थर से दिया जाए, ऑलिया किराम ने अ□ने चरित्र व वार्ताला□ के द्वारा इस □ क्र के विरुद्ध अमन व सलामती का सन्देश दिया के तकली□ व हानि का उत्तर महरबानी से दिया जाए।

बदसलूकी का उत्तर कुशल शिष्टाचार से दिया जाए। बदतमीजी (अ□मानजनक) का उत्तर खुश कलामी व दरवे ब्यानी से दिया जाए।

हत्या के उद्देश से □ ने वाला मुसलमान हो गया

मिरातुल असरार के सलेखक ने सुल्तान उल हिन्द हज़रत ख्वाजा ग़रीब नवाज़ रहमतुल्लाहि अलह का एक हिकमत वाली घटना वर्णन की ह□-

एक दिन एक कठोर दिल ग़ैर मुसलिम चाक़ू बग़ल में छि□ा कर हज़रत ख्वाजा ग़रीब नवाज़ रहमतुल्लाहि अलैह को शहीद करने के अ□वित्र व अशुद्ध उद्देश्य से □ या तथा □ □ के सामने बैठ गया।

□ □ ने अनुमान से स का उद्देश्य मालूम कर लिया तथा इस से □ रमाया के चाक़ू क्यों नही□ चलाते? मेरी गरदन उ□स्थित है□ यह सुनते ही इस के शरीर □र कँ□न तारी हो गया। चाक़ू निकाल कर एक ओर □ेंक दिया तथा हज़रत ख्वाजा ग़रीब नवाज़ रहमतुल्लाहि अलैह के चरणों में गिर गया। इस के बाद इस व्यक्ति ने तौबा की तथा मुसलमान हो गया।

(मिरातुल असरार, □: 598)

वह कठोर दिल व्यक्ति □ या इस लक्ष्य से था के हज़रत ख्वाजा ग़रीब नवाज़ रहमतुल्लाहि अलइह के साथ कठोरती की इन्तेहा कर बठे, □रन्तु हज़रत कि बातिनी अनुमान ने इसे अमन का अगुवा बना दिया तथा इसने इस्लाम स्वीकार कर लिया।

भाषान्तरः- उस किताब को □ढ़ो जो तुम्हारी ओर प्रकाशना के द्वारा भेजी गई ह□ और नमाज़ का □ योजन करो। निस्सदेह नमाज़ अश्लीलता तथा बुराई से रोकती ह□ और अल्लाह का याद करना तो बहुत बड़ी चीज़ ह□ अल्लाह जानता ह□जो कुछ तुम रचते और बनाते हैं।

(सुरह अनकबूतः 29:45)

अल्लाह तआ़ला नेइस □ यत करीमा में तिलावत क़ुरान, नमाज़ के स□ादन का □ देश दिया तथा ज़िक्र के □ योजन निर्दशन दिया। इन्हों ने

लक्ष्य के समा□न के लिए अल्लाह के □ रमान की रोशनी में 3 केन्द्र का अ़मल में लाया गया। अधिक सङ्ख्या में क़ुरान को □□ने के लिए मदारिस कि बुनिया डाली गई, नमाज़ को जमात से □□ने के लिए मसजिदों कि रचना की गई तथा ज़िक्र के प्रबन्ध के लिए क़ानखाहों को प्रचार दिया गया।

क़ानखाहों में बुरे शिष्टाचार तथा गुण – से नफ्स को □वित्र व शुद्ध किया जाता ह□ तथा उच्च सभ्याचार तथा कुशल गुण से सम्मानित किया जाता ह□जिस का क़ुरान करीम ने हम अ□ेक्षा की ह□

अवश्य ऑलिया किराम कि बारगाह हैं तथा धर्म के बुज़ुर्गों के क़ानखा हैं मानवता के लिए विशाल विकास सङ्स्था हैं। यहाँ लोगों को अच्छे शिष्टाचार तथा अति उत्तम □ दाब सिखाए जाते हैं। इन्हें सलामती के सन्देश का उ□राजदूत

बनाया जाता ह□। इन के एक-एक कर्म □र नज़र रखी जाती ह□तथा इन कि उच्च रू□ से सुधारता की जाती ह□। बुज़ुर्गों के दहलीज प्रतिलाभ केन्द्र भी हैं जहाँ बीमारों को दवा और दुआ़ दोनों मिलती ह□।

किसी को तावीज़ दी जाती ह□, किसी को कर्म या वज़ी□ा बताया जाता ह□तथा किसी के लिए बातिनी ध्यान केन्द्रित किया जाता ह□। ऑलिया किराम कि बारगाहें एक ऐसा स्थान ह□जहाँ समाज के हर क्षेत्र के लोग □ कर मिलते हैं। एक दूसरे का दुःख दर्द बा□ते हैं। स्नेह व प्रेम व भाइचारगी, अविरोध व अनुरू□ता का अभ्यास सिखते हैं।

□ □स में योग व धन्यवाद हो कर रहते हैं। बुज़ुर्गों के □ स्ताने लग□र खाने भी हैं, जहाँ ग़रीब व दरिद्र तथा यात्रियों को हमेशा□खाना उ□लब्ध

होता है। और बाज़ स्तानों में दिन रात लगार जारी रहता है।

ऐसे राज्य सघ कि भलाई तथा अच्छाई से भला कौन इन्कार कर सकता है जिस में हर समय ऐसी खूबियाउ स्थित हों, जहाँ लोग शारिरीक व रुहानी उचार (औषधि) ाते हो। ससार व रलोक का चन व विश्राम प्राप्त करते हो तथा जहाँ से धर्म व समुदाय को बिना लिहाज़ रखे हमदर्दी व अविरोध का प्रचार किया जाता है, बिना किसी सन्देह ऐसे स्थान अमन के गेहवारे ही कहलाए जाते हैं।

रिणामस्वरू यह के क़ानखाह में अमन व शान्ति के ऐसे केन्द्र हैं जहाँ टूटे हुए दिलों को इस प्रकार जोड़ दिया जाता है के ता भी नही चलता के यह कभी टूटे भी थे।

धर्म के बुज़ुर्गों (ुरखों व ुर्वजों) ने इन में अने व्यक्तित्व व भूमिका तथा सासारिक जीवन

को भी □ेश नज़र नही□रखा करते, केवल अल्लाह तआ़ला कि स्वीकृति के लिए निर्माण कि सेवा में व्यस्त रहते हैं तथा क़ौम व समुदाय कि सलाह व सुधारता तथा नि□ुण व कुशल समाज कि रचना में दिन रात गुज़ारा करते हैं।

ह़ज़रत अबु ह़सनात मुह़द्दिस देक्कन रह़मतुल्लाहि अलह़, मशाइ़क़ के सुल्तान ह़ज़रत ख्वाजा निज़ाम उद्दीन मह़बूब इ़लाही रह़मतुल्लाहि अलह़ का निवर्चन करते ह□- मानव का दिल खुश करना तथा इसकी राह़त रसानी व प्रसन्नता □रम कर्म तथा अल्लाह तआ़ला से नज़दीकी का सर्वश्रेष्ट माध्यम ह□
(मवाइ़ज़ ह़सना, जिल्द 2, □ः 181)

ह़ज़रत ख्वाजा निज़ाम उद्दीन ऑलिया रह़मतुल्लाहि अलह़ कि वर्णन ह़िकायतः-

हज़रत ख्वाजा निज़ाम उद्दीन रहमतुल्लाहि अलइह एक हिकायत (उ□ाख्यान) वर्णन करते ह□-

एक राजा था, जिसे तारानी कहते थे, बगावत (विद्रोह व विरोध) कर के हत्या कर दी गई। तारानी को हज़रत शाक्र स□ उद्दीन बाक़रज़ी रहमतुल्लाहि अलइह से बडी मुहब्बत थी। इस के स्थान □र दूसरे व्यक्ति को राजा बना दिया गया।

इस नव राजा के सामने एक कर्मचारी घोषित किया गया। जिसे हज़रत शाक्र स□ उद्दीन से द्वेष (ना□सन्द) थी। जब इसे बात करने का अवसर मिला तो राजा से कहने लगे, यदि चाहते हो के □ □ के राज्य स्था□ित रहे तो शाक्र स□ उद्दीन रहमतुल्लाहि अलइह को समाप्त कर दीजिए। सल्तनत में प्रथम □रिवर्तन इन्ही□के कारण से होती ह□

राजा ने यह बात सुन कर इसी को कहा के तुम ही जाओ! जिस प्रकार श्रेष्ट समझो शख़ को इधर ले □ ओ। वह मनुष्य गया तथा शख़ को बडी अनादर से दरबार में लाया (शायद गले में □गडी डाल कर लाया या किसी और तरह हटक कर लाया) अतः जब शख़ भीतर प्रवे हुए, जसे ही राजा कि नज़र इन □र □डी, ना जाने इसे अल्लाह तआ़ला ने कया जलवा दिखाया, वह तुरन्त सिंहासन से नीच उतरा तथा बडी क्षमा माँगकर के शख़ के चरणों को छू□ , बुसा दिया तथा बडे विनम्रता तरीक़े से क्षमा माँगी के मैं ने यु□हरगिज़ ना कहा था।

शख़ घर को लौट □ ए, अगले दिन राजा ने इस कर्मचारी को हाथ □ाँव बाँध कर शख़ के □ास भेज दिया तथा कहला भेजा के मैं ने इसे मार डालने के योग्य घोषित किया है। अब □ □ के

□ास बेज रहा हुँ, जिस प्रकार से चाहें इसे ठिकाने लगाए□।

जसैे ही शख़ ने इसे यु□जकडे हुए □ाया, तुरन्त इस के हाथ □ाँव खोल दिए, इसे अ□ना □ोशाक (वस्त्र) □हनाया तथा कहाः □ ज तुम प्रवचन (वअ़ज़) में मेरे साथ चलो।

इस दिन सोमवार था। वचन के अनुसार शख़ प्रवच के लिए मसजिद में □ ए, जब मिम्बर (धर्मो□देशक का □ सन) □र च□ तो यह श्लोक (शअ़र) □□ा। भाषान्तरः- जिन्हों ने हमारे साथ बुरा व्यवहार किए, यदि हो सके तो नेकी के सिवा और कुछ ना करो।

अतः शख़ स□ उद्दीन रहमतुल्लाहि अलह ने इस व्यक्ति को क्षमा कर दिया, तथा□ के इस ने □ □ से अनादर व असम्मान कि हत्या का अ□वित्र व अशुद्ध उद्देश्य किया, गलत कोशिक

की तथा □ □ के साथ बुराई की रन्तु हज़रत ने इस के साथ अच्चा व्यवहार किया तथा इस के साथ नेकी व अच्छाी से □श □ ए।

वह व्यक्ति तो दिल दुखाया था, किन्तु □ □ ने यह भी गवारा ना किया के विरोधी का दिल देख तथा वह तकली□ में रहे। □ □ ने इस के साथ कुशल का व्यवहार तथा राहत का मामला □रमाया।

(सियार उल ऑलिया, □ः 581,582)

ऑलिया किराम के दृष्टि व सोंच की गहराई से सीखा जाए तो हमें ऐसी हजारों मिसालें मिल जाएगी के इन्हों ने साधारण मानवों गरीबो व दरिद्र के दुख बाटे हैं। अल्लाह तआ़ला कि रज़ामदी व प्रसन्नता के प्राप्त करने के लिए इन कि सेवा की ह□

यही वह बुलन्द चरित्र व भूमिका है जिन के कारण से ऑलिया किराम के द्वारा जनता के हर क्षेत्र में अमन कि वायु स्थापित रही। हज़रत दाता गञ्ज बक़्श रहमतुल्लाहि अलइह तथा हज़रत ख्वाजा ग़रीब नवाज़ रहमतुल्लाहि अलइह हों, या ख्वाजा खुत्ब उद्दी बक़त्यारी काकी रहमतुल्लाहि अलइह तथा बाबा फ़रीद उद्दीन गञ्ज शकर रहमतुल्लाहि अलइह हो या हज़रत बाबा शर्फ़ उद्दीन सुहरवरदी रहमतुल्लाहि अलइह तथा हज़रत बाबा शहाबुद्दीन सुहरवर्दी रहमतुल्लाहि अलइह या हज़रत महबूब इलाही रहमतुल्लाहि अलइह तथा हज़रत मक़दूम अ़ली अहमद साबिर किया रहमतुल्लाहि अलइह हो या ख्वाजा नसीर उद्दीन चिराग़ देहलवी रहमतुल्लाहि अलइह तथा हज़रत बदेा रहमतुल्लाहि अलइह हों या हज़रत अक़ी सिराज रहमतुल्लाहि अलइह तथा हज़रत ख्वाजा बन्दा नवाज़ रहमतुल्लाहि अलइह, हज़रत मुजद्दिद

अल ि सानी रहमतुल्लाहि अलह तथा हज़रत शाह अबदुल हक़ मुहद्दिस देहलवी रहमतुल्लाहि अलह हों, या हज़रत खुत्ब देक्कन शाह राजु खत्ताल हुसनी रहमतुल्लाहि अलह तथा हज़रत नक्षबद देक्कन शाह सअ़दुल्लाह रहमतुल्लाहि अलह या हज़रत शकुल इसलाम बानी जामिया निज़ामिया रहमतुल्लाहि अलह और हज़रत अबुल हसनात मुहद्दिस देक्कन रहमतुल्लाहि अलह हों इन के अलावा अन्य बुज़ुर्गान दीन, सम्ूर्ण ऑलिया किराम तथा अहले सलासिल ने हर तर अमन व शान्ति का प्रचार देने कि सम्न्न व स ल प्रयास रमाया, तथा ज भी इन ऑलिया किराम कि बारगाह हैं। वहाँ के कार्यक्रम व क्रियाशीलता (क्रमादेश) अमन व सलामती का निमन्त्रण दे रहे हैं।

अल्लाह तअ़ाला से दु ह के हमें इन बुज़ुर्गों के दामन करम से सयोजन रमाए तता राहत व रहमत व प्रेम व मुहब्बत का क्र बनाए।